डा. व्यं. वि. द्रविड
एम.ए. (संस्कृत-मराठी)
एम.ए. (हिंदी)
पी.एच.डी.
स्नात्तकोत्तर हिंदी विभाग
शिवाजी विश्वविद्यालय,
कोल्हापुर ।

प्र मा ण प त्र

मैं यह प्रमाणित करता हूँ, कि श्री भिमराव धोंडीबा कुंभार ने शिवाजी विश्वविद्यालय की ` एम. फिल्. (हिंदी ) ` उपाधि के लिए प्रस्तुत लघु-शोध प्रबन्ध ` ज्ञानदेव अग्निहोत्री के नाटकों में नायक ` मेरे निर्देशन में सफलता पूर्वक पूरे परिश्रम के साथ पूरा किया हैं । श्री. भिमराव धोंडीबा कुंभार के प्रस्तुत शोध कार्य के बारे में मैं पूरी तरह संतुष्ट हूँ ।

(डा. व्यं. वि. द्रविड)
शोध निर्देशक

कोल्हापुर ।
दिनांक :२५: ६ :१९९० ।

••

SHIVAJI UNIVERSITY LIBRARY KOLHAPUR

प्रख्यापन

यह लघु-शोध प्रबन्ध मेरी मौलिक रचना है, जो एम. फिल. के लघु-प्रबन्ध के रूप में प्रस्तुत की जा रही है। यह रचना इससे पहले इस विश्वविद्यालय या अन्य किसी उपाधि के लिए प्रस्तुत नहीं की गयी है।

कुमार भिमराव धोंडीबा

कोल्हापुर।

दिनांक :१८: ९ :१९९० ।

••

:- ज्ञानदेव अग्निहोत्री के नाटकों में नायक -:

आमुख

हिंदी नाट्य साहित्य के विकास की रूपरेखा

हिंदी नाटक : तात्त्विक विवेचन

ज्ञानदेव अग्निहोत्री : व्यक्तित्व एवं कृतित्व

नाटकों के नायक

ज्ञानदेव अग्निहोत्री के नाटकों में नायक

उपसंहार

संदर्भ ग्रंथ सूची

-- ज्ञानदेव अग्निहोत्री के नाटकों में नायक --

अनुक्रमणिका

		पृष्ठ क्रमांक
	आमुख	
अध्याय पहला --	हिंदी नाट्य साहित्य के विकास की रूपरेखा ।	
	भारतेंदु युग - प्रसाद युग : नवीन दिशा (१९१०-१९३३ ई.)	
	हिंदी नाटकों का नव्युग (१९३३-१९४६ ई.)	
	प्रसादोत्तर कालीन नाटक - हिंदी नाटक - १९४७ ई. के बाद ।	6 to 21
अध्याय दूसरा --	हिंदी नाटक - तात्त्विक विवेचन	
	भारतीय नाट्य तत्व - वस्तु-पात्र-रस	
	पाश्चात्य नाट्य तत्व - कथानक-चरित्र-चित्रण	
	संवाद - वातावरण - भाषाशैली-उद्देश्य - रंगमंचीयता ।	22 to 43
अध्याय तीसरा --	ज्ञानदेव अग्निहोत्री - व्यक्तित्व एवं कृतित्व।	44 to 53
अध्याय चौथा --	नाटकों के नायक ।	
	नायक-भारतीय सिध्दांत	
	नायक - शास्त्रीय परिभाषा-	
	नायक - वर्गीकरण	
	नायक - पाश्चात्य सिध्दांत-भारतेंदुकालीन	
	हिंदी नाटकों में नायक, प्रसाद युगीन हिंदी नाटकों में नायक -	

पृष्ठ क्रमांक

स्वाधीनतोत्तर हिंदी नाटकों में नायक। 54 to 85

अध्याय पाँचवा -- ज्ञानदेव अग्निहोत्री के नाटकों में नायक--
नेपथ्य की एक शाम - नायक - गोगो
माटी जागी रे - नायक - प्रकाश
वतन की आबरू - नायक - इलाही बख्श
चिराग जल उठा - नायक टीपू सुल्तान
शुतुरमुर्ग - नायक-राजा
अनुष्ठान - नायक - पुरुषा
दंगा - नायक - पंडितजी और बड़े मियाँ। 86 to 117

उपसंहार। 118 to 121

संदर्भ ग्रंथ सूची। 122 to 129